

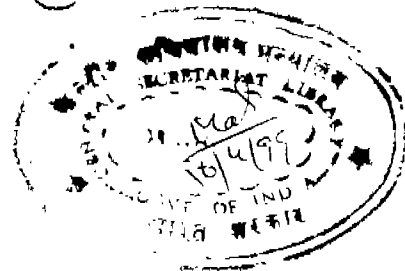


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 843 ]  
No. 843]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, दिसम्बर 24, 1998/पौष 3, 1920  
NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 24, 1998/PAUSA 3, 1920

जल भूतल परिवहन मंत्रालय

(श्रम प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1998

का. आ. 1114(अ).—यतः बम्बई गोदी श्रमिक बोर्ड, बम्बई पिछले कई वर्षों से वित्तीय कठिनाइयों का सामना कर रहा था और अपने कर्मचारियों तथा रजिस्टर्ड श्रमिकों का वेतन का भुगतान नहीं कर पा रहा था,

और यतः विभिन्न पहलुओं पर विचार करने के पश्चात् केन्द्र सरकार का यह मत था कि गम्भीर वित्तीय आपातकाल विद्यमान है। जिसके कारण बोर्ड अपने कार्य पूरे नहीं कर पा रहा है।

और यतः बोर्ड का भारत सरकार जल भूतल परिवहन मंत्रालय की दिनांक 25 फरवरी, 1994 की अधिसूचना सा. आ. 204(अ) के तहत गोदी श्रमिक (रोजगार का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 6ख की उप-धारा (1) के खंड (क) के अधीन एक वर्ष के लिए अधिक्रमण कर दिया गया था और उक्त बोर्ड द्वारा प्रयोग की जाने वाली सभी शक्तियां और किए जाने वाले सभी कार्य ऐसे अधिक्रमण की अवधि के दौरान अध्यक्ष, बम्बई पत्तन न्यास, बम्बई में निहित कर दिए गए थे।

और यतः केन्द्र सरकार ने अधिक्रमण की अवधि को भारत सरकार, जल भूतल परिवहन मंत्रालय की अधिसूचनाओं सा. आ. सं. 113(अ), दिनांक 2 सितम्बर, 1995, सा. आ. सं. 892(अ), दिनांक 23 दिसम्बर, 1996 और सा. आ. 925(अ), दिनांक 30 दिसम्बर, 1997 के तहत बढ़ा दिया था।

और यतः अधिक्रमण की अवधि दिनांक 31 दिसम्बर, 1998 को समाप्त हो रही है।

और यतः केन्द्र सरकार अधिक्रमण की अवधि को बढ़ाना आवश्यक समझती है,

इसलिए अब, उक्त अधिनियम की धारा 6ख की उप-धारा (3) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार बोर्ड के अधिक्रमण की अवधि को 31 दिसम्बर, 1999, अथवा बम्बई गोदी श्रमिक बोर्ड का बम्बई पत्तन न्यास के साथ विलय होने की तारीख तक, इनमें जो भी पहले हो, बढ़ाती है।

2. अधिक्रमण की अवधि के दौरान सभी शक्तियाँ और कार्य जो उक्त बोर्ड द्वारा प्रयोग अथवा पूरे किए जाते, अध्यक्ष, बम्बई पोर्टन न्यास, बम्बई द्वारा प्रयोग अथवा पूरे किए जाएंगे।

[फा. सं. एल बी-13022/4/97-एल-IV]

के. वी. राव, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT**

**(Labour Division)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 24th December, 1998

**S.O. 1114(E).**—Whereas the Bombay Dock Labour Board, Bombay was facing financial stringency for the last several years and was unable to pay wages to its employees and registered workers;

And whereas after considering the various aspects, the Central Government formed an opinion that a grave financial emergency existed due to which the Board was unable to perform its functions;

And whereas the said Board was superseded by the Central Government under clause (a) of sub-section (1) of section 6B of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), vide Notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport, No. S.O. 204(E), dated the 25th February, 1994 for a period of one year and all the powers and functions which might be exercised or performed by the said Board were vested in the Chairman, Bombay Port Trust, Bombay during the period of such supersession;

And whereas the Central Government extended the periods of supersession vide notifications of the Government of India in the Ministry of Surface Transport No. S.O. 113(E), dated 2nd September, 1995, No. S.O. 892(E), dated 23rd December, 1996 and No. S.O. 925(E), dated 30th December, 1997;

And whereas the extension of supersession expires on the 31st December, 1998;

And whereas the Central Government considers it necessary to extend the period of supersession;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (3) of section 6B of the said Act, the Central Government hereby extends the period of supersession of Board till the 31st December, 1999, or date of coming into force of the merger of Bombay Dock Labour Board with Bombay Port Trust, whichever is earlier.

2 All the powers and functions, which may be exercised or performed by the said Board shall be exercised or performed by the Chairman, Bombay Port Trust, Bombay during the period of such supersession.

[F. No. LB--13022/4/97-L-IV]

K. V. RAO, Jt. Secy.